ECONSPEAK: A Journal of Advances in Management IT & Social Sciences,
Vol. 15, Issue 5, May 2025 Impact Factor 8.059 ISSN: (2231-4571)
www.skirec.org Email Id: skirec.org@gmail.com

राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र में पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में स्वच्छ भारत अभियान की भूमिका

(डूंगरपुर जिले के सन्दर्भ में अनुभव मूलक अध्ययन)

डॉ. मधु बाला शर्मा

सहायक आचार्य

राजनीति विज्ञान विभाग

राजकीय महाविद्यालय चौरासी

जिला डूंगरपुर (राज.)

पर्यावरण प्रदूषण नियन्त्रण, संरक्षण एवं सतत विकास को बढावा देने के लिये पर्यावरण की प्रकृति आदि के नियन्त्रण के लिये हमारी देश की सरकार की भूमिका काफी सराहनीय रही है। विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दो पर कार्य करने के लिये संयुक्त राष्ट्र द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय सरकारें तथा सिविल सोसाइटी द्वारा कई पर्यावरण सम्बन्धित संस्थाऐं एवं संगठन स्थापित किये गये है कोई भी पर्यावरणीय संगठन एक ऐसा संगठन होता हे जो पर्यावरण को किसी प्रकार के दुरूपयोग तथा अवक्रमण के खिलाफ सुरक्षित करता है साथ ही यह संगठन पर्यावरण की देखभाल तथा विश्लेषण करते है एवं इन लक्ष्यों को पाने के लिये प्रकोष्ठ भी बनाते है। पर्यावरणीय संगठन सरकारी संगठन हो सकते है। गैर सरकारी संगठन हो सकते है। यह एक चेरिटी यह ट्रस्ट भी हो सकते है। यह सभी संगठन मिलकर पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण प्रबन्धन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी जिम्मेदारी निभा कर सतत विकास के कार्यो में लगे हुए है।

राजस्थान में अनेक जनजातियां निवास करती है जो प्रदेश के विभिन्न पहाडी पठारी एवं वन भागो में आदिम ढ़ग से जीवन यापन करते हुए विभिन्न प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए अपनी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं को आज भी अपनाए हुए है। साथ ही आज की जनजातियां आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से पिछडी हुई है क्योंकि इनका सम्पर्क वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान से नहीं पो पाया है।

राजस्थान के दक्षिणी छोर पर स्थित डूंगरपुर शहर जो कभी पहाडी नगरी के नाम से विख्यात था

अब वर्तमान में पहाडी नगरी के साथ क्लीन एण्ड ग्रीन सिटी के रूप में प्रदेश में ही नही देश विदेशो में भी अपनी पहचान बनाने में कामयाबी हासिल कर चुका है। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में नगरपरिषद डूंगरपुर के सकारात्मक प्रयासो से वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय विसंगतियों को दूर करने के लिये स्वच्छ भारत अभियान कारगर सिद्ध हुआ है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी तथा प्राकृतिक आपदाओं तथा मानव स्वास्थ्य वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, स्वच्छ भारत अभियान पुरा करकट निस्तारण व आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं व बच्चों का स्वास्थ्य सुधार आदि कार्यो का सम्पादन स्वच्छ भारत अभियान के द्वारा डूंगरपुर नगर परिषद के सहयोग से किया गया है। पर्यावरणीय समस्याओं में भी सुधार का असर प्रकृति पर पड रहा है। प्रकृति के साथ तालमेल जीवन का सूत्र है तालमेल जरा भी बिगड जाये तो प्रकृति के पलटवार के रूप में महामारियां अपनी छाप छोड देती है। महामारी के बाद आदिवासी क्षेत्र के आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड गई प्राकृतिक संसाधनो का अत्यधिक दोहन होने के कारण डूंगरपुर क्षेत्र के आमजन जीवन प्रभावित हुआ इस क्षेत्र में आजीविका का निर्वहन करने वाले लोगो का आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक समस्याओं का अत्यधिक प्रभाव पडा इसलिए क्षेत्र को स्वच्छ बनाकर स्वच्छ भारत अभियान से जोडकर आमजन में जागरूकता फैलाना का प्रशासन व सरकार के द्वारा सरकार के द्वारा स्थानीय एवं शैक्षिक स्तर पर अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरणीय राजनैतिक सम्बन्धी मुद्दो का समाधान करने के लिये अनेक प्रबन्धकीय स्तर पर कार्यक्रम शुरू किये गये।

पर्यावरण से सम्बन्धित मुद्दे कभी चुनावी या सक्रीय राजनीति के मुद्दे नही बनते है क्योकि देश के लोगो के लिये भूख, गरीबी व रोजगार व स्वास्थ्य सबसे बडा मुद्दा होता है। वैश्विक स्तर पर आई पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिये मनुष्य को प्राकृतिक संरचना तथा परिस्थिति का सन्तुलन जैसे विषयों पर समग्रता से समझते हुए गम्भीर रूप से समाधान निकालना आवश्यक है। अतीत में जब भयानक महामारी आई तब पर्यावरण में सकारात्मक रूप से समस्याओं का समाधान करने के लिये प्राकृतिक असन्तुलन की स्थिति को स्पष्ट करना आवश्यक समझा गया वर्तमान में बढती जनसंख्या में शहरीकरण और औधोगिकरण का विस्तार करते हुए ग्लोबलवार्मिग की समस्या तथा पर्यावरणीय विसंगतियों में बढते मानव स्वास्थ्य के खतरे का प्रभाव निरन्तर बढता जा रहा है। सरकार की अनेक योजनाओं के होने के बावजूद भी मानव स्वास्थ्य पर निरन्तर खतरा बढता जा रहा है आदिवासी क्षेत्र में समस्याओं का समाधान करने के लिये स्वच्छ भारत अभियान के ओर से किये गये व्यक्तिगत व्यय प्रबन्धकीय स्तर पर नगरपरिषद डूंगरपुर के द्वारा तमाम प्रयासो, नवाचारों, प्रादर्शिता, जवाबदेही एवं मजबूत राजनैतिक इच्छा शक्ति के द्वारा पर्यावरणीय समस्याओं को जड से उखाड फेकने के लिये डूंगरपुर जिला परिषद में गत वर्षो में सराहनीयपूर्ण कार्य किये

है। वैश्विक स्तर पर नीदरलैण्ड सरकार के द्वारा डूंगरपुर नगरपरिषद को स्वच्छता के लिये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। वर्तमान में डूंगरपुर क्षेत्र में अत्यधिक खनन होने के कारण पर्यावरणीय समस्याओं की छाया, जनजाति क्षेत्र के लोगो पर मण्डराने लगी है। इसका जल्द ही समाधान करने की आवश्यकता है।

क्योकि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य मिशन चिन्ता का विषय बन चुके है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की चुनौतियों का लगातार सामना किया जा रहा है। शहरी एवं ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिये निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत अपनाई गई रणनीतियों के अनुसार कुडा करकट का निस्तारण व्यक्तिगत घरेलु शौचालय, सामुदायिक विकास एवं क्षेत्रों में पाई जाने वाली समस्याओं के अन्तर्गत सरकार के द्वारा पर्यावरणीय विसंगतियों को मनुष्य व प्रकृति के बीच सन्तुलन बनाये रखने के लिये निस्तारण करना आवश्यक है।

स्वच्छ भारत अभियान पर्यावरण संरक्षण हेतु सकारात्मकता को प्राप्त करने के लिये बनाया गया है। ताकि महामारीयों के खत्म होने के पश्चात अनेक समस्याओं से मुक्ति पाने के लिये दुष्प्रभावों को रोकने के लिये केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारो के द्वारा सकारात्मक प्रयास किये जा रहे है। पर्यावरण से सम्बन्धित मुद्दे वैश्विक स्तर पर संकटकालिन परिस्थितियों से पढने वाले मानव स्वास्थ्य के आंकडो को सुधारने के लिये विचार विमर्श और गोष्ठीयो का आयोजन राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है। वैश्विक समस्याओं का निस्तारण करने में आम जनता को समस्याओं से अवगत कराते हुए स्थानीय नागरिकों को इन मुद्दो से जोडना आवश्यक है। डूंगरपुर जैसे क्षेत्र में पर्यावरणीय समस्याऐं प्राकृतिक आपदाओं का मानव स्वास्थ्य पर पडने वाले हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिये क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित आंकडो को रेखाकित करना आवश्यक है। राजस्थान के कुल 193 नगर निकाय में डूंगरपुर क्षेत्र के नगरपरिषद अपना विशेष स्थान रखती है। अतः सुविधाजनक निर्देशन प्रद्धति के माध्यम से नगरपरिषद को जनप्रतिनिधियों से स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण का कार्य प्राथमिक तथ्यों को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रशासनिक व कार्मिक अधिकारियों की सहभागिता को भी नगरीय स्थानीय संस्थाओं से जोडकर समावेशी विकास के अन्तर्गत आदिवासी क्षेत्रो के समस्याओं को दूर करने के लिये स्वच्छ भारत अभियान से जोडकर निरन्तर व नियमित सेवाऐं क्षेत्र के लोगो को प्रदान की जा रही है।

नगरपरिषद डूंगरपुर के द्वारा शुलभ शौचालयों की व्यवस्था की गई। जिन्हे आधुनिकता के शैली पर

निर्मित किया गया है। और सीवरेज सिस्टम को ग्रामीण व क्षेत्रीय क्षेत्रों से जोडने का निरन्तर कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। नगरीय स्थानीय संस्थाओं में चुनकर आये जनप्रतिनिधियों को समावेशित स्वच्छता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये जागरूक किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता से सम्बन्धित योजनाओं को आज के दैनिक परिप्रेक्ष्य में नगरपरिषद डूंगरपुर के द्वारा नियमित बैठको का आयोजन करते हुए आमजन क्षेत्र के समस्याओं का निराकरण करने में अहम भूमिका निभाई जा रही है। कच्ची बस्ती झुग्गी झोपडियों के निस्तारण के लिये नगरपरिषद डूंगरपुर ने स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पक्के मकानों व पक्के शौचालयों का निर्माण करवाया जा रहा है। क्योकि स्वच्छता एक वैश्विक विषय है जो समेकित स्वास्थ्य और सामाजिक पर्यावरणीय समस्याओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकट करते हुए समेकित विकास की ओर स्वच्छ भारत अभियान को आगे बढाकर मानव जीवन के हित के लिये सुधारात्मक प्रयास किये जा रहे है।

पर्यावरण संरक्षण के लिये आदिवासी क्षेत्र की नगरपरिषद डूंगरपुर अपने कार्यकाल के दौरान नित नये नवाचारों से जाना जा रहा है। नगरपरिषद के सभापति श्री के.के.गुप्ता के चार साल के कार्यकाल के दौरान स्वच्छता अभियान चलाकर डूंगरपुर जिले में ही नही बल्कि विश्व पटल पर ख्याति प्राप्त की है तथा पर्यावरण की समस्याओं को दूर करते हुए अनुसूचित क्षेत्र डूंगरपुर को एक नया जन्म दिया है। डूंगरपुर नगरपरिषद के 20 सूत्रीय कार्यक्रमों के तहत पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के प्रयास इस क्षेत्र में किये जा रहे है। डूंगरपुर निकाय तीन बार खुले में सोच मुक्त घोषित होने के बाद स्वच्छ भारत अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में सम्मानित हो चुके है। नीदरलैण्ड सरकार से सम्मानित होने के बाद सभापति को राजस्थान का स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड ऐम्बेसडर नियुक्त किया गया। डूंगरपुर शहर की परिषद में क्लीन सीटी के साथ साथ ग्रीन सीटी बनाने हेतु पूर्ण किया गया है। एक घर–एक पेड योजना के लक्ष्यो को पूरा करने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है।

निष्कर्षः–

आज पर्यावरण में विभिन्न प्रकार की गम्भीर समस्याऐं जन्म ले रही है जिसमें योगदान व्यक्तियों का ही है। यदि समय रहते इनका निराकरण नही किया गया तो जीव जन्तुओं, वनस्पतियों एवं मानव के अस्तित्व पर विलुप्त होने का खतरा उत्पन्न हो जायेगा पर्यावरण को शुद्ध एवं स्वच्छ एवं संरक्षित बनाये रखने की जिम्मेदारी हमारी ही रहेगी। अतः सभी का सहयोग व सकारात्मक सोच व्यक्तियों में धर्म आध्यात्मिक एवं वैदिक कार्यो के प्रति रूचि व पर्यावरण के समस्याओं के समाधान में सराहनीय भूमिका का

निर्वहन होना आवश्यक है।

पर्यावरण सम्बन्धी स्वास्थ्य खतरों से निटपने के लिये डब्ल्यूएचओ ने हेल्थ इनवारमेन्ट लिंक इनेशिएटिव (Health Environment Link Imitative, HELI) का विकास किया है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर होने वाले खतरो को दूर करने में यूएनईपी के द्वारा वैश्विक प्रयास किये जा रहे है। डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य है कि कुछ वर्षो में पोलियो जैसी गम्भीर बीमारियों या महामारियों को दूर करने के लिये प्रयास किये जा रहे है।

अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्धारण में सतत विकास के लिये सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय आयामों का समाकलन किया जा रहा है ताकि भविष्य में भावी पीढियों को इन समस्याओं का सामना करने के लिये तैयार किया जा सके।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. आधुनिक पर्यावरण की समस्याओं का वैदिक समाधान पृ.सं 14
2. आधुनिक पर्यावरण की समस्याओं का वैदिक समाधान पृ.सं 172
3. जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण सुरक्षा पृ.सं 237–38
4. अर्थशास्त्री निकोलस स्टर्न की रिपोर्ट 2016
5. सेंटर फॉर साईन्स एण्ड एनवायरमेन्ट, 1982 द स्टेट ऑफ इॅडियाज एनवायरमेन्टः द सिटिजन्स रिपोर्ट सी.एस.ई., नई दिल्ली
6. डेविस माइक, 2004, द पोलिटिकल इकोलॉजी ऑफ फेमाइन : द थर्ड वर्ल्ड इन रिचर्स पीट एंड माइकेल वाट्स (स.प्रा.) लिबरेशन इकोलॉजीस : एनवायरमेन्ट डेवलपमेन्ट
7. आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग डूंगरपुर की विशेष रिपोर्ट
8. समकालीन समस्याऐं एवं विश्लेषण, मासिक पत्रिका, नई दिल्ली, मार्च 2015 पृ.सं 113
9. आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग डूंगरपुर रिपोर्ट सत्र 23–24

10. उदयसिह राजपूत आदिवासी विकास गैर सरकारी संगठन रावत पब्लिकेशन पृ. 1